2024

HINDI — MDC

Paper : MN-1

(Adikalin evam Madhyakalin Hindi Kavita)

Full Marks : 75

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

(आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता)

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं ***तीन*** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×3

(क) कत सुख सार पाओल तुअ तीरे।
छाड़इते निकट नयन बह नीरे।।
कर जोरि विनमओं विमल तरंगे।
पुन दरसन होअपुनमति गंगे।।
एक अपराध छेमब मोर जानी।
परसल माए पाए तुअ पानी।।
कि करब जप-तप जो धेआने।
जनम कृतारथ एकहि सनाने।।
भनइ विद्यापति समदओं तोहि।
अंत काल जनु विसरह मोहि।।

(ख) पानी बिच मीन पियासी।
मोहि सुनि सुनि आवत हाँसी।।
आतम ज्ञान बिना सब सूना, क्या मथुरा क्या कासी।
घर में बस्तु धरी नहीं सूझें, बाहर खोजन जासी।।
मृग की नाभि माहिं कस्तूरी, बन-बन फिरत उदासी।
कहत कबीर सुनो भाई साधो, सहज मिले अविनासी।।

(ग) माला तो कर में फिरै, जीभ फिरै मुख माहिं।
मनुवां तो चहुँ दिसि फिरै, यह तो सुमिरन नाहिं।।
जाप मरै अजपा मरै, अनहद भी मर जाय।
सुरत समानी सब्द में, ताहि काल नहिं खाय।।

(घ) छिमा बड़न को चाहिए, छोटन की उतपात।
का रहीम हरि को घट्यो, जो भृगु मारी लात।।
तरूवर फल नहि खात है, सरवर पियहिं न पान।
कहि रहीम पर काज हित, संपति सँचहि सुजान।।

(ङ) कहत नटत रीझत खिझत मिलत खिलत लजियात।
भरै भौन में करत हैं नैननि ही सों बात।।
बतरस लालच लाल की मुरली धरी लुकाय।
सौंह करे भौंहनि हँसे दैन कहें नटि जाय।।

2. किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 12×3

(क) विद्यापति की भक्तिभावना की विवेचना कीजिए।

(ख) सूरदास के वात्सल्य वर्णन की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ग) तुलसीदास की काव्यगत विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

(घ) मीरा के काव्य में व्यक्त विरह-वेदना की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

(ङ) घनानंद प्रेम की पीर के कवि हैं– सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×9

(क) 'कीर्तिलता' के कवि कौन हैं?

(ख) कबीर के गुरु का नाम बताइए।

(ग) तुलसीदास की किसी एक रचना का नाम लिखिए।

(घ) सूरदास भक्तिकाल की किस धारा के कवि हैं?

(ङ) जायसी के प्रमुख ग्रंथ का नाम लिखिए।

(च) रहीम का पूरा नाम लिखिए।

(छ) मीरा किसकी उपासक थीं?

(ज) घनानंद काव्य की भाषा क्या है?

(झ) भूषण किस काल के कवि हैं?